

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)

वाद सं0 : 572 सन 2019 ऑन लाईन नम्बर:- 2020/01096

अनवान :-

1. गुरुसेवक पुत्र मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. मलकीतसिंह पुत्र अमरसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर।
2. जसविन्द्रसिंह पुत्र मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
3. चरणजीतकोर पुत्री मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
4. गुरमीतकोर पुत्री मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
5. परमजीतकोर पुत्री मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
6. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री जरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता वादी
पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :- 14/10/2020

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आशय का पेश किया गया की रोही मौजा मेधाना के खाता संख्या 8/8 की कुल 8.96790हैक् में 344/8979हिस्सा खाता संख्या 198/199 की कुल 0.8850हैक् में से 337/4425हिस्सा , खाता संख्या 34/35 की कुल 9.8260हैक् में से 8433/49130हिस्सा खाता संख्या 195/198 की कुल 6.9550हैक् में से 1/3 हिस्सा , खाता संख्या 181/184 की कुल 57.8070हैक् में से 320/057807हिस्सा व खाता संख्या 298/298 की कुल 18.9190हैक् में से 736/94595 हिस्सा एवं खाता संख्या 178/178 की कुल 97.8970हैक् में से 208/97897हिस्सा भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है।

उक्त भूमि वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह के देहान्त होने पर वाद भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है तथा वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह ने वाद भूमि के अलावा अन्य ग्राम/खातों की भूमियों की आय एवं सयुक्त परिवार की आय से कुछ भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम करवाई गई थी जो सयुक्त परिवार की दादालाई पैतृक सम्पत्ति की श्रेणी की भूमि है जो वर्तमान में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है। वह पैतृक सम्पत्ति है जिसमें परिवार के सभी सदस्यों का बराबर का हक हिस्सा है अर्थात वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 5 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 वादी की बहने एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के पक्ष में त्याग कर दिया है इसीप्रकार वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के हक हिस्सा की भूमि अर्थात वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पिता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 बहिब के खातेदार काश्तकार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन उपस्थित किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ने निवेदन किया की


उपखण्डाधिकारी
नोहर

उसके नाम से दर्ज भूमि उराके पिता अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह के देहान्त होने एवं उसके पिता अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह ने सयुक्त परिवार की आय एवं अन्य पैतृक सम्पत्ति की आय से वाद भूमि उसके /प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 5 का पिता हे के नाम से करवाई गई थी वर्तमान में प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है जो सयुक्त परिवार की सम्पत्ति है अर्थात् पैतृक सयुक्त परिवार की सम्पत्ति है जिसमें परिवार के सभी सदस्यों अर्थात् वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 5 का प्रतिवादी संख्या 1 का बराबर का हक हिस्सा है प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 जो वादी की बहने हैं ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1,2 के पक्ष में किया जा चुका है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नहीं है एवं अपने कथनों के समर्थन में जरिये अधिवक्ता इकबाल जवाब भी पेश किया जा चुका है जो शामिल मिसल किया गया है। एवं प्रतिवादी संख्या 6 परोकार राज ने जवाब पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नहीं है जवाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नहीं रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नहीं करने के कारण जिरह शून्य रही तत्पश्चात् उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा मेधाना के खाता संख्या 8/8 की कुल 8.96790 हैक् में 344/8979 हिस्सा खाता संख्या 198/199 की कुल 0.8850 हैक् में से 337/4425 हिस्सा , खाता संख्या 34/35 की कुल 9.8260 हैक् में से 8433/49130 हिस्सा खाता संख्या 195/198 की कुल 6.9550 हैक् में से 1/3 हिस्सा , खाता संख्या 181/184 की कुल 57.8070 हैक् में से 320/057807 हिस्सा व खाता संख्या 298/298 की कुल 18.9190 हैक् में से 736/94595 हिस्सा एवं खाता संख्या 178/178 की कुल 97.8970 हैक् में से 208/97897 हिस्सा भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है।

उक्त भूमि वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह के देहान्त होने पर वाद भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है तथा वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह ने वाद भूमि के अलावा अन्य ग्राम/खातों की भूमियों की आय एवं सयुक्त परिवार की आय से कुछ भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम करवाई गई थी जो सयुक्त परिवार की दादालाई पैतृक सम्पत्ति की श्रेणी की भूमि है जो वर्तमान में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है। वह पैतृक सम्पत्ति है जिसमें परिवार के सभी सदस्यों का बराबर का हक हिस्सा है अर्थात् वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 5 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 वादी की बहने एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के पक्ष में त्याग कर दिया है इसीप्रकार वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1,2 के हक हिस्सा की भूमि अर्थात् वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1,2 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वाद की वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात् वादी के वाद के सम्बन्ध में कोई ऐतराज नहीं है वादी अपने कथनों के सम्बन्ध में न्यायाधिक दृष्टान्त आर.वी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है तथा न्यायाधिक दृष्टान्त आर.आर.डी 1998 पेज 646 एवं आरआरसी 2001 पेज 459 के अनुसार कोई भी खातेदार अपनी स्वेच्छा से आपसी सहमति पक्षकारों के मध्य राजीनामा के द्वारा भी हस्तान्तरित करने में सक्षम है इसप्रकार न्यायाधिक दृष्टान्त भी प्रकरण में पूर्णतया चरपा होते हैं अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

परोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पत्ति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षों की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा मेधाना के पावों खातों की वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में वादी के पिता प्रतिवादी संख्या

उपखण्ड अधिकारी के नाम से दर्ज है।

नोहर

वादी का कथन है कि वाद भूमि वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह के नाम से दर्ज थी जिनके देहान्त होने पर विरास्तन से भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज हुई है तथा वादी के दादा अमरसिंह पुत्र कुण्डासिंह ने सयुक्त परिवार की आय एवं अन्य पैतृक सम्पत्ति की आय से वाद भूमि में कुछ भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से करवाई गई थी जो पैतृक सम्पत्ति है जिसमें परिवार के सभी सदस्यों का हक हिस्सा है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 1 ने स्वीकार किया जाकर निवेदन किया की उसके नाम से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज भूमि सयुक्त परिवार की आय की सम्पत्ति है जिसमें परिवार के सभी सदस्यों का बराबर का हक हिस्सा है अर्थात् वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 के हक हिस्सा की भूमि है।

वादी का कथन है प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 वादी की वहने हैं ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एव प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के पक्ष में किया जा चुका है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 ने स्वीकार किया जाकर निवेदन किया की उन्होंने अपने हकों का त्याग किया हुआ है वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ,2 के हक हिस्सा की भूमि है जैसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो कोई ऐतराज नहीं है व अपने कथनों के सामर्थन में ईकवाल भी पेश किया जा चुका है जो शामिल मिसल किया जा चुका है।

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सयुक्त एवं न्यायाधिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चरपा होते हैं की सयुक्त परिवार की आय एव पैतृक सम्पत्ति की आय से खरीद/अर्जित की गई सम्पत्ति भी पैतृक सम्पत्ति की श्रेणी आती है अर्थात् परिवार के सभी सदस्यों के हक हिस्सा की भूमि है वादी भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 3 ता 5 ने अपने हकों का त्याग किया गया है इसलिये राज्यहकों की सुरक्षा हेतु स्टाम्प ड्यूटी कायम की जानी न्यायोचित है

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं परोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नहीं होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायाधिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा मेधाना के खाता संख्या 8/8 की कुल 8.97790हैक में 344/8979हिस्सा खाता संख्या 198/199 की कुल 0.8850हैक में से 337/4425हिस्सा , खाता संख्या 34/35 की कुल 9.8260हैक में से 8433/49130हिस्सा खाता संख्या 195/198 की कुल 6.9550हैक में से 1/3 हिस्सा , खाता संख्या 181/184 की कुल 57.8070हैक में से 320/057807हिस्सा व खाता संख्या 298/298 की कुल 18.9190हैक में से 736/94595 हिस्सा एवं खाता संख्या 178/178 की कुल 97.8970हैक में से 208/97897हिस्सा भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी व प्रतिवादी संख्या 2 बहिब के खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है तथा रोही मौजा नहराना के खाता संख्या 74/72 की कुल 5.6780हैक में प्रतिवादी संख्या 1 के नाम 1/3 हिस्सा व रोही मौजा मेधाना के खाता संख्या 197/201 की कुल 15.4280हैक में से 857/7714 हिस्सा प्रतिवादी संख्या 1 के नाम दर्ज है यथावत रहेगा इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/- रु स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैंक के रहन हो तो वाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आशय की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर वाद तर्तीय तकमील जाब्ता दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक 14/10/2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ़)

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6-7 जाब्दा दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :-

1. गुरुसेवक पुत्र मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. मलकीतसिंह पुत्र अमरसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर।
2. जसविन्द्रसिंह पुत्र मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
3. चरणजीतकोर पुत्री मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
4. गुरमीतकोर पुत्री मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
5. परमजीतकोर पुत्री मलकीतसिंह जाति जटसिख निवासी मेधाना तहसील नोहर
6. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।


प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

राजस्व वाद संख्या 572 सन 2019 निर्णय दिनांक-14/10/2020

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष अधिवक्ता वादी एवं परोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा मेधाना के खाता संख्या 8/8 की कुल 8.9790हैक में 344/8979हिस्सा खाता संख्या 198/199 की कुल 0.8850हैक में से 337/4425हिस्सा , खाता संख्या 34/35 की कुल 9.8260हैक में से 8433/49130हिस्सा खाता संख्या 195/198 की कुल 6.9550हैक में से 1/3 हिस्सा , खाता संख्या 181/184 की कुल 57.8070हैक में से 320/057807हिस्सा व खाता संख्या 298/298 की कुल 18.9190हैक में से 736/94595 हिस्सा एवं खाता संख्या 178/178 की कुल 97.8970हैक में से 208/97897हिस्सा भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी व प्रतिवादी संख्या 2 बहिव के खातेदार काश्तकार धोषित किया जाता है तथा रोही मौजा नहराना के खाता संख्या 74/72 की कुल 5.6780हैक में प्रतिवादी संख्या 1 के नाम 1/3 हिस्सा व रोही मौजा मेधाना के खाता संख्या 197/201 की कुल 15.4280हैक में से 857/7714 हिस्सा प्रतिवादी संख्या 1 के नाम दर्ज है यथावत रहेगा इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/- रु स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैंक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेग

पर्चा डिक्री आज दिनांक 14/10/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।


उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)